प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय के नव-प्रवेशित विद्यार्थियों का अभिनवीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

पंतनगर। २३ सितम्बर, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय के गाँधी हाल में कल सायं विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश पाये नये विद्यार्थियों का संयुक्त अभिनवीकरण (ओरिएन्टेशन) कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कुलपति, डा. जे. कुमार थे। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के विद्यार्थी कल्याण विभाग द्वारा किया गया।

कुलपति, डा. जे. कुमार, ने नये विद्यार्थियों को एक नया अध्याय लिखे जाने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने विश्वभर में विभिन्न संस्थानों में उच्च पदों पर रहकर विश्वविद्यालय के नाम को रोशन करने की परम्परा बनायी है, जिसे निभाते हुए नये विद्यार्थियों को और नयी ऊंचाईयों पर विश्वविद्यालय को ले जाना है। डा. कुमार ने कहा कि देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में पंतनगर विश्वविद्यालय की ब्रांड वैल्यू सबसे अधिक है तथा अधिकतर विद्यार्थियों की प्रवेश पाने हेतु यह विश्वविद्यालय पहली पसंद है। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा पंतनगर में प्रवेश पाने का निर्णय लेने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया तथा कई नई अच्छी आदतें सीखने व पूरानी बुरी आदतों को भूलने के लिए भी उन्होंने कहा।

इस अवसर पर कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा, ने नव-प्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए सभी महाविद्यालयों, विभागों के शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यक्रमों के बारे में बताया तथा अन्य सहायक कार्यालयों की जानकारी दी। उन्होंने अब तक विश्वविद्यालय द्वारा ३५,१२१ उपाधि प्रदान किये जाने के बारे में भी बताया। अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय, डा. जी.के. सिंह, ने शैक्षणिक परिनियमों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, डा. एन.एस. मूर्ति, ने स्नातक व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की परामर्श-पद्धति के बारे में बताया। विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं की सह-शिक्षा को अधिठात्री, गृह विज्ञान महाविद्यालय, डा. रीता सिंह रघुवंशी ने विस्तारपूर्वक समझाया, जबकि विद्यार्थियों के व्यवहार एवं अनुशासन के बारे में कार्यवाहक अधिष्ठाता, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, डा. ए.के. उपाध्याय, ने जानकारी दी। अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण, डा. एस.पी. सिंह, ने पराशैक्षिक गतिविधियों तथा छात्रावासों से सम्बन्धित नियम-परिनियमों की जानकारी दी। छात्रावास जीवन के बारे में अधिष्ठाता, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, डा. एच.सी. शर्मा, ने बताया तो परास्नातक शिक्षा की विशेषताओं की जानकारी अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डा. देवेन्द्र कुमार, ने दी। 'व्यक्तित्व विकास एवं सॉफ्ट स्किल विद्यार्थियो की सफलता की कुंजी' विषय पर अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, डा. जे.पी. पांडे, ने संबोधित किया तथा 'मूलभूत विज्ञान का कृषि व उससे संबंधित विषयों में महत्व' के बारे में अधिष्ठाता, विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, डा. ए.के. शुक्ला, ने बताया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए अपर अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण, डा. ज्योति प्रसाद, ने प्रारम्भ में सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया तथा अंत में कुलपति, कुलसचिव, अधिष्ठाताओं व उपस्थितजनों को उन्होंने धन्यवाद भी दिया। कार्यक्रम में प्रभारी, विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डा. नीना सिंह; एवं प्रभारी अधिकारी, प्रकाशन निदेशालय, डा. नरेश कुमार; के अतिरिक्त विभिन्न छात्रावासों के छात्रावास अभिरक्षक, सहायक छात्रावास अभिरक्षक तथा नए विद्यार्थी उपस्थित थे।

अभिनवीकरण कार्यक्रम में नये विद्यार्थियों को सम्बोधित करते कुलपति, डा. जे. कुमार एवं मंचासीन सभी अधिष्ठाता व कुलसचिव।